भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 11 FEBRUARY 2025

एएआई में 224 वेकैंसी

एएआई ने नॉन एग्जीक्यूटिव पदों के लिए 224 वेकैंसी निकाली है। आवेदन 5 मार्च तक किए जा सकते हैं। देखें www.aai.aero

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE DELHI 12 FEBRUARY 2025

IGI operator wants varying fees for eco, biz class passengers

New Delhi, Feb. 11: Delhi airport operator Dial has proposed different user fees for economy and business class passengers as well as for peak and off peak hours. The Indira Gandhi International Airport (IGIA) is operated by the Delhi International Airport Ltd (Dial), a consortium led by the GMR Group.

In its tariff proposal for the fourth control period starting from April 1, 2024 to March 31, 2029, loss-making DIAL has proposed varying user development fee (UDF) for economy and business class passengers of international flights.

For international embarking economy class passengers, the UDF proposed varies from ₹430 to ₹810 and for business class fliers, the amount ranges from ₹860 to ₹1,620.

The UDF mooted is ₹810 for each economy class passenger for the first two years — 2025-26 and 2026-27 — and then ₹430 for 2027-28 and 2028-29, as per the proposal submitted to the airport economic regulatory authority (AERA).

For international disembarking economy class passengers, the fee proposed is ₹280 per person for the first two years and ₹150 for the last two years of the 2025-2029 control period.

In the case of disembarking business class passengers, the UDF suggested is ₹570 per person for 2025-26 and 2026-27, and ₹300 per person for 2027-28 and 2028-29.

Besides, Dial has sought to levy different UDF from domestic embarking and disembarking passengers for off peak hours and peak hours.

For domestic embarking fliers, the fee proposed ranges from ₹315 to 610 per person during peak hours, according to Dial. — *PTI*

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BANGALORE MIRROR BANGALORE 12 FEBRUARY 2025

City airport introduces system to track, manage flights

In a first for Indian airports, Kempegowda International Airport has introduced an Aerial View Display (AVD) System. This is a comprehensive real-time monitoring with a centralised dashboard and advanced flight data tracking that offers seamless tracking of all airside activities

A KIA official said, "This helps in overall efficiency of airport operations and emergency responses on the airside. This system offers real-time, consolidated monitoring of all airside operations from the Airport Operations Control Centre (AOCC), from flight movements to the coordination of emergency and ground vehicles, all on a single, centralised dashboard.

The AVD System is designed to enhance operational efficiency and safety by providing airport operators and stakeholders with a unified view of critical airside activities, including flight landings, take-offs, taxiing, and vehicle movements. By identifying flights through their flight numbers rather than traditional ATC call signs, the system simplifies tracking and management, empowering airport to streamline operations and make more collaborative and informed, real-time decisions with unparalleled situational awareness."

BIAL officials said that this will be a single platform providing real-time visibility into airside operations, including flight landings, take-offs, taxiing, and vehicle movements. This will also help in accurate monitoring of taxiing, aircraft speed, and runway occupancy time (ROT) to boost airside efficiency. "Real-time tracking of ground vehicles for seamless coordination and enhanced safety is also possible along with tracking collaborative decision-making. This will also enable better coordination during emergencies ensuring swift responses to minimise risks and disruptions," an official said.

The system will also help in in-depth analysis to reduce delays and ensure smooth operational flow which results in better On-time Performance (OTP) and energy savings. Satyaki Raghunath, Chief Operating Officer of BIAL, said, "This innovation will not only streamline operations but also empower stakeholders of BLR Airport to make faster, data-driven decisions that will improve capacity and efficiency across our airside operations, which in turn will lead to a reduction in emissions and enhanced sustainability standards."

—BMB

DESHBANDHU DELHI 13 FEBRUARY 2025

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बनेंगे दो सीएनजी स्टेशन

आईजीएल ने यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के साथ किया समझौता

ग्रेटर नोएडा, 12 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाणिज्यिक विमानों के उड़ान भरने की तिथि नजदीक आने पर यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं उपलब्ध कराने का प्रयास तेज गति से चल रहा है। हवाई अड्डा परिसर के अंदर वाहनों को प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराने के लिए दो सीएनजी स्टेशन बनाए जाएंगे। बुधवार को यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के साथ साझेदारी की है। समझेदारी के तहत आईजीएल यात्रियों, हवाई अड्डे के कर्मचारियों और भागीदारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए दो सीएनजी स्टेशन स्थापित करेगा, एक पश्चिमी सीमा में और दूसरा हवाई क्षेत्र में बनेगा।

आईजीएल नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क भी विकसित करेगा। जिससे सीएनजी स्टेशनों तक निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। साझेदारी में टर्मिनल और सहायक हवाई अड्डा भवनों में विभिन्न एफ एंड बी आउटलेट, लाउंज और रसोई में पाइप्ड

प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बुनियादी ढांचे की स्थापना की जाएगी।

यमुना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सीईओ क्रिस्टोफ़ श्नेलमैन ने कहारू इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के साथ हमारा सहयोग एक टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार हवाई अड्डे के निर्माण की दिशा में हमारी यात्रा में एक और कदम है। सीएनजी बुनियादी ढांचे को एकीकृत करके, हम क्षेत्र में हरित गतिशीलता के व्यापक संक्रमण का समर्थन करते हुए हवाई अड्डे के उपयोगकर्ताओं को स्वच्छ ईंधन विकल्प प्रदान कर रहे हैं।

DAINIK JAGRAN DELHI 13 FEBRUARY 2025

यात्रा के समय व श्रेणी से तय होगा एयरपोर्ट पर यूजर चार्ज

एयरपोर्ट इकोनामिक रेग्युलेटरी अथारिटी को भेजा फीस वृद्धि का प्रस्ताव, मंजूरी मिलते ही लागू होंगी नई दरें

जागरण संवाददाता, नई दिल्लीः आइजीआइ एयरपोर्ट संचालन से जुड़ी एजेंसी डायल ने यात्रियों से लिए जाने वाले यूजर डेवलपमेंट फीस की दर बढ़ाने का प्रस्ताव विमानन क्षेत्र में आर्थिक मामलों की नियामक एजेंसी एयरपोर्ट इकोनामिक रेग्युलेटरी अथारिटी के पास भेजा है। यह दर यात्रा के समय और सीट की श्रेणी के आधार पर तय होगी। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो घरेलू व अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को जेब पहले के मुकाबले अधिक ढीली करनी होगी। घरेलू यात्रियों के लिए यह बढ़ोतरी व्यस्त समय के दौरान (सुबह पांच बजे से 8:55 बजे और शाम पांच बजे से 8:55 बजे के बीच), वहीं अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए यह बढ़ोतरी उनकी यात्रा की श्रेणी के हिसाब से तय होगी।

इसलिए पड़ी जरूरत

सूत्रों की मानें, तो डायल ने यह कदम सभी यात्रियों पर भारी शुल्क वृद्धि को रोकने और एयरपोर्ट की विस्तार योजनाओं के लिए आर्थिक रूप से समर्थन देने के लिए उठाया है। डायल पहले से ही बड़े वित्तीय दबाव में है। इसने हाल ही में एयरपोर्ट विस्तार के फेज 3A चरण को पूरा किया है, जिसमें 12,500 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हुए। इसे मुख्य रूप से कर्ज से पूरा किया है।

प्रस्ताव के अनुसार, घरेलू यात्रियों के लिए (प्रस्थान वाले) व्यस्त समय में यह फीस 315 से 610 रुपये प्रति व्यक्ति होना है। घरेलू विमान से उतरने वाले यात्रियों के लिए प्रस्तावित शुल्क व्यस्त समय के दौरान 115 से 210 रुपये प्रति व्यक्ति होगा। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की बात करें, तो इंटरनेशनल फर्स्ट और बिजनेस क्लास के यात्रियों से इकोनमी और प्रीमियम इकोनमी में यात्रा करने वालों की तुलना में अधिक यूडीएफ वसूलने की बात कही गई है। यह प्रस्ताव देश के किसी भी एयरपोर्ट के लिए पहली बार पेश किया जा रहा है। इकोनमी क्लास के यात्रियों के लिए, प्रस्तावित यूजर डेवलपमेंट फीस 430 रुपये से 810 रुपये तक है और बिजनेस क्लास के यात्रियों के लिए यह राशि 860 रुपये से 1,620 रुपये तक है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 13 FEBRUARY 2025

कोलकाता हवाईअड्डे पर कोहरे से उड़ान प्रभावित

कोलकाता। कोलकाता हवाई अड्डे पर बुधवार को घने कोहरे के कारण दस उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यहां आने वाली उड़ानों में कोई विलंब नहीं हुआ। क्योंकि विमानों के उतरते समय कम दृश्यता प्रक्रियाओं (एलवीपी) का पालन किया गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 13 FEBRUARY 2025

हिंडन एयरपोर्ट से अयोध्या, लखनऊ के लिए उड़ान जल्द

ट्रांस हिंडन, वरिष्ठ संवाददाता। हिंडन एयरपोर्ट से जल्द ही अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी की उड़ान भी शुरू होंगी। इसके लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सभी एयरलाइंस कंपनियों को पत्र लिखा है। कंपनियां सर्वे कर उड़ान शुरू करने को आवेदन करेंगी।

सांसद अतुल गर्ग लगातार अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी की उड़ान शुरू करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने दिसंबर से जनवरी के बीच भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को तीन बार पत्र लिखा है। वर्तमान में प्रयागराज में चले रहे महाकुम्भ के अलावा, वाराणसी और अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा का हवाला दिया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सदस्य परिचालन, डॉ. शरद कुमार ने सांसद अतुल गर्ग को पत्र लिखकर बताया कि इसके लिए प्राधिकरण ने सभी कंपनियों को पत्र भेजा है। उन्होंने यह भी लिखा कि विमान सेवाएं कंपनियों की नीतियों पर निर्भर करती हैं। ऐसे में कंपनी सर्वे कर आवेदन देती हैं तो जल्द ही इन शहरों के लिए भी हिंडन से उड़ान शुरू हो सकेंगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 13 FEBRUARY 2025

हेलीकॉप्टर-चार्टर विमान से महाकुम्भ में डुबकी लगाने पहुंच रहे श्रद्धालु

हि नेटवर्क

पीयूष श्रीवास्तव/वाचस्पति उपाध्याय

प्रयागराज/वाराणसी। महाकुम्भ की आभा लोगों को बरबस अपनी ओर खींच रही है। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। कुछ श्रद्धालु हेलीकॉप्टर बुक कर सीधे संगमनगरी ही नहीं पहुंच रहे बल्कि वाराणसी, चित्रकूट और अयोध्या भी जा रहे हैं।

भारी भीड़ के कारण वाराणसी के 22 लोगों ने संगम स्नान के लिए हेलीकॉप्टर की सेवाएं लीं। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड और फ्लाई ओला के सहयोग से प्रयागराज एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई है। यहां 35 हजार रुपये में एक व्यक्ति की बुकिंग हो रही है। श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टर से बोट क्लब हेलीपैड तक लाया जाता है। वहां से उन्हें बोट के जरिये संगम तट तक लाया जाता है, जहां वे आस्था की डुबकी लगाते हैं। स्नान के बाद श्रद्धालु उसी बोट से हेलीपैड लौटते हैं और फिर हेलीकॉप्टर से वापस एयरपोर्ट पहुंच जाते हैं।

28 बड़े शहरों में हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई: फ्लाई ओला ग्रुप के सीईओ कैप्टन आरएस सहगल ने बताया कि शासन की मंशा पर देश के 28 बड़े शहरों से पवित्र संगम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई है। 110 से ज्यादा श्रद्धालु हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, दिल्ली, जयपुर और कोलकाता समेत अन्य शहरों में हेलीकॉप्टर और चार्टर से गए हैं। अयोध्या, चित्रकूट, वाराणसी और नैमिषारण्य के लिए हेलीकॉप्टर का विशेष पैकेज दिया जा रहा है। इसके तहत एक बार में छह श्रद्धालुओं को ले जाया जाता है। स्नान पर्व से पहले अयोध्या के लिए 24 और वाराणसी के लिए 18 यात्री हेलीकॉप्टर से दर्शन कर लौटे थे।

वाराणसी स्थित बाबतपुर एयरपोर्ट से प्रयागराज सेवा का 22 लोगों ने लाभ उठाया है। प्रति श्रद्धालु 42 हजार रुपये (जीएसटी सहित) का भुगतान करना पड़ा। वहीं हेलीचार्टर यानी हेलीकॉप्टर रिजर्व करके भी तीर्थयात्री जा रहे हैं। बनारस से प्रयागराज का एक तरफ से सफर केवल 40 मिनट में पूरा हो रहा है। हेलीचार्टर का खर्च (छह लोगों के लिए) आठ लाख रुपये के आसपास है।

प्रयागराज एयरपोर्ट से प्रति व्यक्ति किराया

महाकुम्भ नगर के लिए 35 हजार रुपये, वाराणसी और चित्रकूट के लिए 78 हजार रुपये, अयोध्या के 1.03 लाख रुपये और नैमिषआरण्य के लिए 1.53 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं।

एयरपोर्ट से चार्टर बुक करने में रहें सतर्क

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने श्रद्धालुओं के लिए चार्टर सेवा उपलब्ध कराई है। इसका संचालन फ्लाई ओला द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि इसकी बुकिंग में सतर्कता की आवश्यकता है। किसी छलावे में न आएं, बोर्ड की अधिकृत वेबसाइट www.upecoboard.in से ही बुक करें। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पिछले दिनों यह सेवा शुरू की गई है।

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 12 FEBRUARY 2025

Flying in & out of Delhi's IGIA set to get costlier

Saurabh.Sinha
@timesofindia.com

New Delhi: Domestic flyers may soon face significantly higher costs when flying in and out of Delhi Airport during peak hours (5-8.55 am and pm). Additionally, international first and business class passengers may be required to pay more than those travelling in economy or premium economy—with both proposals being first of its kind for an Indian airport.

Airport operator Delhi International Airport Ltd (DIAL) has proposed implementing a user development fee (UDF) on arriving passengers—currently applicable only to departures—along with differentiated levies based on flight times and class of travel. This is being considered to prevent a steep across-the-board hike while supporting DIAL's ambitious expansion plans, say sources.

DIAL has submitted its proposed tariff card, including user development fee (UDF), to the regulator for approval. Currently, a UDF of Rs 61 is levied on departing passengers only. DIAL proposes to raise it up to Rs 610 (domestic) and Rs 1,620 (international), and extend the levy to arriving passengers too.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate
BUSINESS LINE DELHI 13 FEBRUARY 2025

Soon, a better system to curb air fare spikes

Rohit Vaid
New Delhi

To ringfence air passengers from exorbitant fare hikes, the Centre plans to revamp its air fare monitoring unit with an advanced system to detect price spikes, industry sources told *businessline*.

The proposed system, which will be developed in consultation with airlines and online travel agencies (OTAs), aims to enhance transparency and accountability in air fare pricing.

MARKET DETERMINED

Air fares in India are deregulated, that is they are determined by the market forces of demand and supply. However, airlines are required to publish their fare buckets, or reservation booking designators (RBDs).

These price buckets are monitored by the Tariff Monitoring Unit, set up by the Directorate General of Civil Aviation (DGCA).

The need for a stronger monitoring system emerged after air fares to and from Prayagraj soared exponentially due to the high traffic for the Mahakumbh.

Similar trends have been observed on routes serving locations that host major events, such as cricket matches or music concerts.

According to the sources, the proposed system will use new mechanisms, some similar to stock market-based circuit breakers, to serve as an early warning system for detecting air fare anomalies.

The sources said that once a route is identified as showing unusual price trends, the authorities can prompt airlines to add capacity to prevent spikes.

TREND ANALYSIS

The system will also have predictive capabilities, enabling airlines themselves to deploy additional capacity to reduce fare spikes.

"We are thinking of how to make the system more computerised, replacing the outdated system that uses Excel sheets with a more advanced solution to analyse metadata," sources revealed.

The initiative follows an initial review of the current monitoring system, which exposed shortcomings and possibilities for improvement.

Industry insiders pointed out that the highest bracket of prices set by airlines is rarely breached, yet tickets often show a 100 per cent increase in spot fares.

To address this issue, sources emphasised the need to set realistic air fare buckets, which should be reviewed on a monthly basis.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 13 FEBRUARY 2025

एयर टिकट की बुकिंग भी कर सकेंगी किसान सहकारी समितियां

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : किसान सहकारी समितियां (पैक्स) अब एयर टिकट की बुकिंग भी कर सकेंगी। सहकारिता मंत्रालय पर संसदीय परामर्शदात्री समिति की बुधवार को हुई बैठक में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यह भरोसा दिया। फिलहाल पैक्स को अन्य सेवाओं के साथ-साथ रेलवे की टिकट बुकिंग करने की सुविधा दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश कोआपरेटिव सेक्टर को भी कारपोरेट सेक्टर के समान अवसर उपलब्ध कराने की है और इसके लिए वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक और आयकर विभाग के साथ मिलकर टैक्स संरचना को एक समान बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

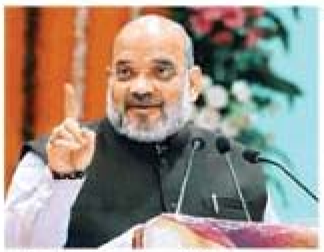
अमित शाह ● फाइल फोटो

- अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक ली
- कारपोरेट सेक्टर जैसे कोआपरेटिव सेक्टर को भी अवसर देने की कोशिश

अमित शाह के अनुसार आजादी के कई सालों बाद तक देश में सहकारिता आंदोलन काफी मजबूत था, लेकिन बाद में ज्यादातर राज्यों में कमजोर होता चला गया। सरकार सहकारिता के विकास में क्षेत्रीय असमानता को दूर कर सभी राज्यों में एक समान संतुलित विकास लाने के लिए विशेष कदम उठा रही है। इसके लिए सरकार ने दो लाख पैक्स के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की। पैक्स का कंप्यूटरीकरण किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एक भी पंचायत ऐसी नहीं होगी जहां पैक्स उपलब्ध नहीं होगा।

शाह ने कहा कि पैक्स को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। 20 से अधिक सेवाओं को पैक्स से जोड़ा गया है। इनमें कामन सर्विस सेंटर, जन औषधि केंद्र, पेट्रोल पंप से लेकर गैस एजेंसी तक शामिल हैं। पैक्स के सुचारू संचालन के लिए केंद्र सरकार ने नियमावली तैयार की है, जिसे सभी राज्यों ने स्वीकार कर लिया है। उनके अनुसार राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड, राष्ट्रीय आर्गेनिक लिमिटेड और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड जैसी सहकारी संस्थाओं के गठन से सहकारी क्षेत्र में निर्यात व आर्गेनिक उत्पादों व उन्नत बीजों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। सरकार ने सहकारिता के क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षित पेशेवरों की कमी दूर करने के लिए त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय खोलने का फैसला किया है। इससे संबंधित विधेयक को संसद में पेश कर दिया गया है।

RS DAINIK JAGRAN DELHI 13 FEBRUARY 2025

आदि कैलास व ओम पर्वत के अब हेलीकाप्टर से कर सकेंगे दर्शन

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादून

उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में रोजगार और सीमावर्ती गांवों में पर्यटन विकास की दृष्टि से सरकार ने पिथौरागढ़ जिले में आदि कैलास व ओम पर्वत दर्शन के लिए हेली सेवा को पायलट प्रोजेक्ट के तहत शीतकाल में संचालित करने का निर्णय लिया है। इसमें पिथौरागढ़ से हेलीकाप्टर के माध्यम से आदि कैलास व ओम पर्वत का लोग दर्शन कर सकेंगे। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र के विहंगम प्राकृतिक दृश्यों का आनंद भी लेंगे। इस बार अप्रैल और फिर नवंबर व दिसंबर में लोग इस सेवा का लाभ उठा सकेंगे।

आदि कैलास व ओम पर्वत दर्शन हेली सेवा का संचालन रुद्राक्ष एविएशन द्वारा एमआई-17 हेलीकाप्टर के माध्यम से किया जाएगा। इसके तहत दो पैकेज दिए जाएंगे। हेली सेवा पिथौरागढ़ से प्रारंभ होगी। लोग सीधे पिथौरागढ़ से हेली सेवा ले सकेंगे और दर्शन के बाद वापस पिथौरागढ़ लौटेंगे। दूसरा पैकेज पांच दिन का होगा। इसमें लोग दिल्ली से सड़क के रास्ते आएंगे और मानस खंड मंदिर माला मिशन के प्रमुख धार्मिक स्थलों में दर्शन के उपरांत पिथौरागढ़ पहुंचेंगे। फिर वे हेलीकाप्टर से ओम पर्वत व आदि कैलास के दर्शन करेंगे।

▸ उत्तराखंड सरकार की कैबिनेट ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत हेली सेवा संचालित करने को दी मंजूरी

हेलीकाप्टर। फाइल

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 13 FEBRUARY 2025

विमान यात्रा में जेब होगी ढीली, समय व श्रेणी के हिसाब से तय होगा किराया

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- डायल ने यूजर डेवलपमेंट फीस की दर बढ़ाने का बनाया मन
- प्रस्ताव एयरपोर्ट इकोनामिक रेग्युलेटरी अथारिटी के पास भेजा गया

आइजीआइ एयरपोर्ट संचालन से जुड़ी एजेंसी डायल ने यात्रियों से लिए जाने वाले यूजर डेवलपमेंट फीस की दर बढ़ाने का प्रस्ताव विमानन क्षेत्र में आर्थिक मामलों की नियामक एजेंसी एयरपोर्ट इकोनामिक रेग्युलेटरी अथारिटी के पास भेजा है। यह दर यात्रा के समय और सीट की श्रेणी के आधार पर तय होगी। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो घरेलू व अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को जेब पहले के मुकाबले अधिक ढीली करनी होगी। घरेलू यात्रियों के लिए यह बढ़ोतरी व्यस्त समय के दौरान (सुबह पांच बजे से 8:55 बजे और शाम पांच बजे से 8:55 बजे के बीच), वहीं अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए यह बढ़ोतरी उनकी यात्रा की श्रेणी के हिसाब से तय होगी।

प्रस्ताव के अनुसार घरेलू यात्रियों के लिए (प्रस्थान वाले) व्यस्त समय में यह फीस 315 से 610 रुपये प्रति व्यक्ति होगी। घरेलू विमान से उतरने वाले यात्रियों के लिए प्रस्तावित शुल्क व्यस्त समय के दौरान 115-210 रुपये प्रति व्यक्ति होगा। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की बात करें तो इंटरनेशनल फर्स्ट और बिजनेस क्लास के यात्रियों से इकोनमी और प्रीमियम इकोनमी में यात्रा करने वालों की तुलना में अधिक यूडीएफ वसूलने की बात कही गई है। यह प्रस्ताव देश के किसी भी एयरपोर्ट के लिए पहली बार पेश किया जा रहा है। इकोनमी क्लास के यात्रियों के लिए, प्रस्तावित यूजर डेवलपमेंट फीस 430 रुपये से 810 रुपये तक है और बिजनेस क्लास के यात्रियों के लिए यह राशि 860 रुपये से 1,620 रुपये तक है।

इसलिए पड़ी जरूरत

सूत्रों की मानें तो डायल ने यह कदम सभी यात्रियों पर भारी शुल्क वृद्धि को रोकने और एयरपोर्ट के विस्तार की योजनाओं के लिए आर्थिक रूप से समर्थन देने के लिए उठाया है। डायल पहले से ही बहुत बड़े वित्तीय दबाव में है। डायल ने हाल ही में एयरपोर्ट विस्तार के फेज 3ए चरण को पूरा किया है, जिसमें 12,500 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हुए हैं। इसे मुख्य रूप से कर्ज से पूरा किया गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI JAIPUR 11 FEBRUARY 2025

लखनऊ के लिए फ्लाइट पुनः शुरू

नवज्योति, जयपुर। जयपुर से लखनऊ के लिए सोमवार से फिर से फ्लाइट शुरू की गई है। इससे एयर यात्रियों को सुविधा मिल सकेगी। इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट जयपुर से सुबह 5.30 बजे रवाना हुई। एयरलाइन कंपनी ने इस फ्लाइट का संचालन 15 दिसंबर को लखनऊ में अधिक कोहरे के चलते बंद कर दी थी। जिसे अब फिर से शुरू किया गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI JAIPUR 11 FEBRUARY 2025

इंडिगो की किशनगढ़ और अहमदाबाद के बीच सेवा शुरू होगी

एजेंसी/नवज्योति,किशनगढ़। इंडिगो ने एक मार्च2025 से अहमदाबाद और किशनगढ़ के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू की है। किशनगढ़ इंडिगों के 6ई नेटवर्क का 91वां घरेलू स्थान है, जो सभी गंतव्यों में 129वां है। राजस्थान में जैसलमेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और बीकानेर के बाद यह छठवां स्थान है, जहां पर इंडिगो की सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस नए गंतव्य द्वारा राजस्थान में यात्रा की बढ़ती मांग पूरी हो सकेगी तथा व्यवसायिक एवं अवकाशी यात्रियों को यात्रा करने के सुविधाजनक और किफायती विकल्प प्राप्त हो सकेंगे। अहमदाबाद और किशनगढ़ के बीच इंडिगो की सीधी उड़ानें यात्रियों को यात्रा करने का तीव्र और सुविधाजनक विकल्प प्रदान करती हैं।

THE ECONOMIC TIMES DELHI 13 FEBRUARY 2025

EXPANDING SCOPE OF WORK

PACS to Sell Airline Tickets Soon, Linked to 20-plus Activities: Shah

Rahul Tripathi

New Delhi: Union home and cooperation minister Amit Shah on Wednesday said that soon primary agricultural credit societies (PACS) will be able to sell airline tickets.

Shah was chairing the first meeting of the parliamentary consultative committee on the "initiatives taken and currently being taken to strengthen cooperative societies".

The minister said the work to develop the national cooperatives database is almost complete and that now information about cooperative societies across the country, categorised by region, is available online. Steps have been taken for the computerisation of PACS and in the coming times, there will not be a single panchayatwhere PACS will not be available, he said.

The model by-laws created by the cooperation ministry to make PACS viable have been adopted by almost all states in the country, Shah said, adding that

DATABASE READY

The Union cooperatives minister says the development of national database is nearly complete

PACS have been linked to more than 20 activities and have now started providing services such as common service centres and Jan Aushadhi Kendras.

The establishment of Tribhuvan Sahkari University will provide technical education, accounting, administrative knowledge and training to professionals entering the cooperative sector, he said.

At the national-level, National Cooperative Exports Limited, National Cooperative Organics Limited and Bharatiya Beej Sahakari Samiti Limited have been established, which will help promote exports, organic products and advanced seeds in the cooperative sector, the minister said

He added that the cooperation ministry, in collaboration with the finance ministry, Reserve Bank and Income Tax Department, has taken steps to make one tax structure for the corporate and cooperative sectors.

Shah told the committee that a roadmap has been made for the rapid development of national federations associated with cooperation, in collaboration with Krishak Bharati Cooperative Limited, Indian Farmers Fertilizer Cooperative Limited, National Dairy Development Board and other federations. He said that currently PACS are involved in booking railway tickets and that in view of regional disparity in the development of cooperatives in the country, the government is taking special steps to ensure uniform balanced development in all the states.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 13 FEBRUARY 2025

THROUGH THE LOOKING GLASS

A NEW BILL POSITIONS INDIA AND GIFT IFSC AS A STRONG CONTENDER FOR LEASING AIRCRAFT ASSETS

A boost to aviation leasing

AKHILESH TILOTIA
ASHUTOSH SHARMA

Respectively member, standing committee for the development of aircraft leasing and financing ecosystem at GIFT IFSC, & chief general manager (development), IFSCA

India's civil aviation sector, one of the largest and fastest-growing in the world, is a cornerstone of its economic transformation. With India's aspirations of becoming a developed economy by 2047, civil aviation will play a critical role in connecting geographies, enabling trade, and fostering tourism. Over this period, the capital outlay required for acquiring commercial aircraft is expected to run into hundreds of billions of dollars: the financing ecosystem will hence play a critical role in the growth of the local aviation industry.

Globally, the aviation financing value chain includes various stakeholders such as leasing companies, institutional investors, financial institutions, and export credit agencies. India is developing an aviation leasing and financing ecosystem by encouraging global as well as domestic investors to establish aircraft leasing and financing companies in Gujarat International Financial Tech City (GIFT) International Financial Services Centre (IFSC). We believe that the introduction of the Protection of Interests in Aircraft Objects (PIAO) Bill, 2025, in the Rajya Sabha marks a milestone in reshaping the landscape of aircraft leasing and financing in India.

Aviation as a catalyst for growth

Supported by rising demand, competitive market dynamics, and progressive policies, the Indian aviation industry has transformed in recent years to become the third largest domestic market in the world after the US and China.

The number of operational airports in the past decade has almost doubled to 157 with a stated aim of the government to increase it to more than 350 by 2047. Compared to other large economies, consumption of seats per head of population in India is still low. Apart from the growth of the domestic market, international connectivity from India is expected to rise as Indian airlines and airports build large symbiotic hubs.

Major Indian airlines have already placed orders for over 1,900 aircraft with manufacturers globally. With each aircraft requiring investment upwards of $50-100 million, these large aircraft orders amount to a requirement of hundreds of billions of dollars of financing. Airlines have the option to either buy or lease aircraft. With more than 58% of the world's commercial aircraft fleet being leased, leasing has emerged as a preferred option among airlines. The ratio in India is much higher than the global average, with around 80% of India's commercial aircraft being leased from foreign lessors.

Considering the strategic importance of the industry and the critical role of financing, India is developing an aircraft leasing and financing hub at GIFT IFSC.

> By reducing risks and financing costs, the PIAO Bill should enable airlines to access more favourable lease terms

Role of GIFT IFSC

GIFT City's IFSC is emerging as a hub for aircraft leasing and financing, both for Indian airlines and potentially regional ones too. With its tax incentives, regulatory agility, access to global financial markets, low operating costs, and a progressive approach by the IFSC Authority, GIFT IFSC is swiftly positioning itself as a compelling value proposition for aircraft financing and leasing.

Over the past few years, the IFSCA has introduced a specialised framework tailored for aircraft leasing to bring the aircraft leasing and financing business onshore. As of December 2024, 33 aircraft leasing companies had established their presence in GIFT IFSC and leased more than 60 aircraft including wide-body, narrow-body, commercial and corporate jets and a similar number of aircraft engines.

The proposed Bill can add another layer of strategic advantage to GIFT IFSC-based aircraft lessors and can make India a more attractive destination for leasing activities. Like other countries, India too has seen bankruptcies of airlines: lessors, who are the aircraft owners, need an ability to pull their assets out in such a corporate event.

A game changer for financing

The Cape Town Convention (CTC), which India signed in 2008, establishes a global framework for protecting the rights of lessors and financiers. The CTC is a treaty that is designed to facilitate asset-based leasing and financing of aircraft: its implementation can potentially reduce the cost for the airlines or lessees, by increasing the legal predictability in the transaction.

The implementation of PIAO Bill improves mechanisms for lessor's protections, including repossession rights in case of defaults, reducing disputes, and fostering investor confidence. Implementation of the CTC is expected to elevate India's rating in the Aircraft Working Group's (AWG) compliance index. A higher AWG rating can lower financing costs for Indian airlines, enhancing their competitiveness. By reducing risks and financing costs, the PIAO Bill should enable airlines to access more favourable lease terms, supporting fleet modernisation and expansion.

The Bill's enactment can attract global lessors and financiers to GIFT IFSC, providing more regulatory certainty in case of default and recovery mechanisms, fostering the growth of a domestic aircraft leasing and financing ecosystem. This can be a good diversification of funding sources for Indian airlines that are dependent on foreign jurisdictions. They can benefit from reduced lease costs, streamlined financing processes, and a more resilient supply chain that is critical to achieve ambitious expansion plans to cater to growing demand. A more efficient and cost-effective aviation ecosystem ultimately benefits passengers, as reduced financing costs can translate into lower airfares, better connectivity, and enhanced travel experiences.

A holistic vision for the future

The PIAO Bill represents a strategic step to integrating India into the global aviation financing ecosystem and complements the positioning of GIFT IFSC as a financial centre. To sustain this momentum, it is essential to promote awareness among global aviation stakeholders about the advantages of operating from GIFT IFSC, strengthen collaborations between airlines, lessors, and financial institutions, and invest in capability and capacity-building by creating a talent pool specialising in aircraft financing and leasing.

As India charts its course towards becoming an economic behemoth by 2047, the PIAO Bill and GIFT IFSC can provide the perfect runway for India's aviation financing ambitions. By creating an enabling environment for aircraft leasing and financing, India can unlock opportunities for fostering economic growth and creating high-value jobs locally.

Views are personal

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 12 FEBRUARY 2025

IndiGo to operate more flights for Maha Kumbh

FPJ NEWS SERVICE
AHMEDABAD

With the Maha Kumbh rush still ongoing, IndiGo Airlines will operate three additional direct flights between Ahmedabad and Prayagraj. Among these, two flights will run daily from February 16 to 28, while one flight will operate on four specific days—February 24, 25, 27, and 28.

With the addition of these flights, devotees still seeking travel options to reach the Maha Kumbh Mela will now have more connectivity to the holy city.

Flight Schedule as per Airline's website

Flight 6E 6307 will take off from Sardar Vallabhbhai Patel International Airport (SVPI) at 8:05 AM, reaching Prayagraj Airport (IXD) at

9:50 AM, with a travel time of 1 hour 45 minutes. Return Flight 6E 6308 will depart from Prayagraj Airport (IXD) at 4:25 PM and land at SVPI at 6:20 PM, with a travel time of 1 hour 55 minutes.

Flight 6E 6311 will take off from SVPI at 7:00 PM, reaching Prayagraj Airport (IXD) at 8:50 PM, with a travel time of 1 hour 50 minutes. Return Flight 6E 6312 will depart from Prayagraj Airport (IXD) at 9:20 PM and arrive at SVPI at 11:15 PM, with a travel time of 1 hour 55 minutes.

Flight 6E 5151, operating only on February 24, 25, 27, and 28, will take off from SVPI at 11:20 AM and reach Prayagraj Airport (IXD) at 1:10 PM, with a travel time of 1 hour 50 minutes.Return Flight 6E 5152 will depart from Prayagraj Airport (IXD) at 2:00 PM and land at SVPI at 3:55 PM, with a travel time of 1 hour 55 minutes.

Special trains and GSRTC Volvo buses are also being operated for the Maha Kumbh from Gujarat. However, due to the heavy rush, passengers are struggling to find seats in both trains and buses.

RAJASTHAN PATRIKA DELHI 13 FEBRUARY 2025

गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह बोले- त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के गठन का विधेयक जल्द ही संसद से पारित होगा

जल्द ही पैक्स भी कर सकेंगे एयरलाइंस टिकटों की बिक्री

पीएम मोदी ने ग्रामीण क्षेत्र के हित में सहकारिता मंत्रालय का गठन कर 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र दिया

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नई दिल्ली में सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए सहकारी समितियों को सशक्त करने के लिए की गई पहल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) भी जल्द एयरलाइंस टिकटों की बिक्री कर सकेंगी। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर

के किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के हित में सहकारिता मंत्रालय का गठन कर 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र दिया।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का मानना है कि सहकारिता के माध्यम से रोजगार सृजन और ग्रामीण क्षेत्र की समृद्धि दोनों संभव हैं।

अमित शाह ने कहा कि देश की आज़ादी के कुछ वर्षों बाद तक सहकारिता आंदोलन मजबूत स्थिति में था, लेकिन बाद में ज़्यादातर राज्यों में यह कमजोर होता गया। उन्होंने कहा कि केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद हमने सबसे पहले राज्यों के साथ मिलकर प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का डेटाबेस बनाने का काम किया और दो लाख पैक्स के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस विकसित करने का काम लगभग पूरा हो चुका है और अब देशभर की सहकारी समितियों की क्षेत्रवार जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध है। शाह ने कहा कि पैक्स के कंप्यूटरीकरण के लिए कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश की एक भी पंचायत ऐसी नहीं होगी जहां पैक्स उपलब्ध नहीं हों।

RASHTRIYA SAHARA DELHI 13 FEBRUARY 2025

बोइंग ने पेश की भारतीय विमानन उद्योग की सुनहरी तस्वीर

■ कहा अगले दो दशकों में भारत में बढ़ेगा एयर ट्रैफिक ■ विमानन क्षेत्र में निकलेंगी 1.29 लाख नई नौकरियां

बेंगलुरु (वार्ता)।

विश्व की प्रमुख विमानन कंपनी बोइंग ने भारतीय विमानन क्षेत्र के लिए एक आशावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए अगले दो दशकों में हवाई यातायात में महत्वपूर्ण विस्तार का अनुमान लगाया है।

कंपनी ने भारत के लिए वाणिज्यिक बाजार दृष्टिकोण (सीएमओ) में 2043 तक 2835 नए विमानों की आवश्यकता का अनुमान लगाया है, जो मुख्य रूप से एकल-गलियारे वाले विमान होंगे, जिससे देश के तेजी से बढ़ते विमानन बाजार की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। मांग में होने वाली इस वृद्धि से पायलटों, तकनीशियनों और केबिन क्रू सहित लगभग 1,29,000 नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है।

बोइंग ने इस वृद्धि का श्रेय भारत की मजबूत आर्थिक प्रगति को दिया है और अनुमान लगाया है कि वर्ष 2031 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत में विमानन क्षेत्र पहले से ही अर्थव्यवस्था में 54 अरब डालर का योगदान दे रहा है और 77 लाख लोगों को रोजगार दे रहा है, इसलिए इसका विस्तार होना अनिवार्य प्रतीत होता है।

बोइंग की भविष्यवाणियां तीन मुख्य आर्थिक कारकों पर आधारित हैं। वर्ष 2050 तक जीडीपी में चार गुना वृद्धि, बढ़ती हुई सुलभ आय और विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार का सृजन और इससे हवाई यात्रा की मांग बढ़ती है। इसके अलावा, बोइंग हवाई यातायात को बढ़ावा देने में अवसंरचना विस्तार की भूमिका को रेखांकित करता है। दिसंबर 2022 में गोवा में दूसरा हवाईअड्डा खुलने से यात्री यातायात में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे यह विश्वास मजबूत हुआ कि जेवर और नवी मुंबई में आगामी हवाई अड्डे दिल्ली और मुंबई के लिए हवाई यातायात को दोगुना कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, मौजूदा 138 परिचालन वाले हवाई अड्डों के पूरक के रूप में 162 नए हवाई अड्डे विकसित किए जा रहे हैं। बोइंग ने दावा किया कि जो यात्री हवाई यात्रा का अनुभव कर लेते हैं वे शायद ही कभी रेल यात्रा की ओर लौटते हैं। अगर दो प्रतिशत रेल यात्री हवाई यात्रा की ओर जाते हैं, तो यह भारत में हवाई यातायात को दोगुना कर सकता है।